

धार जिले में साक्षरता का स्तर

डॉ. आरती कमेडिया

सहायक प्राध्यापक भूगोल

भेरुलाल पाटीदार शासकीय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय, महु

ई मेल : artip1016@gmail.com

सारांश :- साक्षरता किसी भी समाज के सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक विकास का प्रमुख सूचक है। भारत जैसे विकासशील देश में शिक्षा का प्रसार ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों की प्रगति से सीधा जुड़ा हुआ है। मध्यप्रदेश का धार जिला जनजातीय बहुल क्षेत्र है जहाँ साक्षरता का प्रत्यक्ष असर क्षेत्र पर दिखाई देता है। प्रस्तुत शोध-पत्र में धार जिले के साक्षरता स्तर, लिंगानुपात आधारित साक्षरता, ग्रामीण-नगरीय अंतर, विभिन्न कारकों के साथ सरकारी योजनाओं के प्रभाव का विश्लेषण किया गया है। शोध-पत्र से स्पष्ट होता है कि धार जिले में साक्षरता दर में वृद्धि हुई है किन्तु महिला साक्षरता, जनजातीय शिक्षा एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा सुविधाओं की कमी अभी भी चुनौतीपूर्ण है।

मुख्य शब्द :- साक्षरता, जनजातीय क्षेत्र, ग्रामीण-नगरीय शिक्षा, पुरुष-महिला साक्षरता, विकास ।

(1) प्रस्तावना :- साक्षरता का सामान्य अर्थ पढ़ने और लिखने की क्षमता है। आज के समय में इसका दायरा केवल अक्षर ज्ञान तक सीमित नहीं है बल्कि इसके अंतर्गत किसी भी भाषा के प्रभावी ढंग से सुनने, बोलने, समझने और हिसाब करने की योग्यता भी शामिल है। भारत की जनगणना के अनुसार 6 वर्ष या उससे अधिक आयु का वह व्यक्ति साक्षर माना जाता है जो किसी भाषा को पढ़ और लिख सकें। शिक्षा मानव विकास की आधार शिला है। साक्षर व्यक्ति सामाजिक परिवर्तन, आर्थिक विकास एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था में सक्रिय भूमिका निभाता है। साक्षरता केवल पढ़ना-लिखना ही नहीं बल्कि जीवन स्तर उच्च करने का माध्यम भी है।

(2) अध्ययन क्षेत्र का परिचय :- धार जिला मध्यप्रदेश के दक्षिणी-पश्चिमी भाग में स्थित है। यह $22^{\circ} 0'$ से $23^{\circ} 10'$ उत्तरी अक्षांश तथा $74^{\circ} 28'$ से $75^{\circ} 42'$ पूर्वी देशांतर के मध्य स्थित है। जिले का क्षेत्रफल 8153 वर्ग कि.मी. है। धार जिले की जनसंख्या वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार 21,85,793 है ।

(3) अध्ययन के उद्देश्य :-

(अ) धार जिले की साक्षरता दर का अध्ययन करना ।

(ब) पुरुष एवं महिला शिक्षा की तुलना करना ।

(स) ग्रामीण एवं नगरीय साक्षरता अंतर का अध्ययन करना ।

(द) जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा की स्थिति का विश्लेषण करना ।

(ए) साक्षरता विकास में बाधक कारकों की पहचान एवं सुधार हेतु सुझाव प्रस्तुत करना ।

(4) शोध पद्धति :- अध्ययन में द्वितीयक स्रोतों से आँकड़ों का एकत्रण किया गया है। द्वितीयक आंकड़े जिला सांख्यिकीय कार्यालय, जिला पंचायत कार्यालय एवं जनगणना पुस्तिका एवं अन्य संबंधित विभागों से प्राप्त किए गए हैं।

(5) धार जिले में साक्षरता का स्तर :- वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार देश की 74% जनसंख्या साक्षर है, जबकि मध्यप्रदेश में 69.32% जनसंख्या साक्षर है। धार जिले में 59% (10,77,338) जनसंख्या साक्षर है। जिले में 68.95% (6,38,479) पुरुष एवं 48.77% (4,38,859) महिलाएँ साक्षर हैं। जिले में ग्रामीण साक्षरता 54.09% (7,96,473) एवं नगरीय साक्षरता 79.49% (2,80,865) है।

तालिका क्र.-1

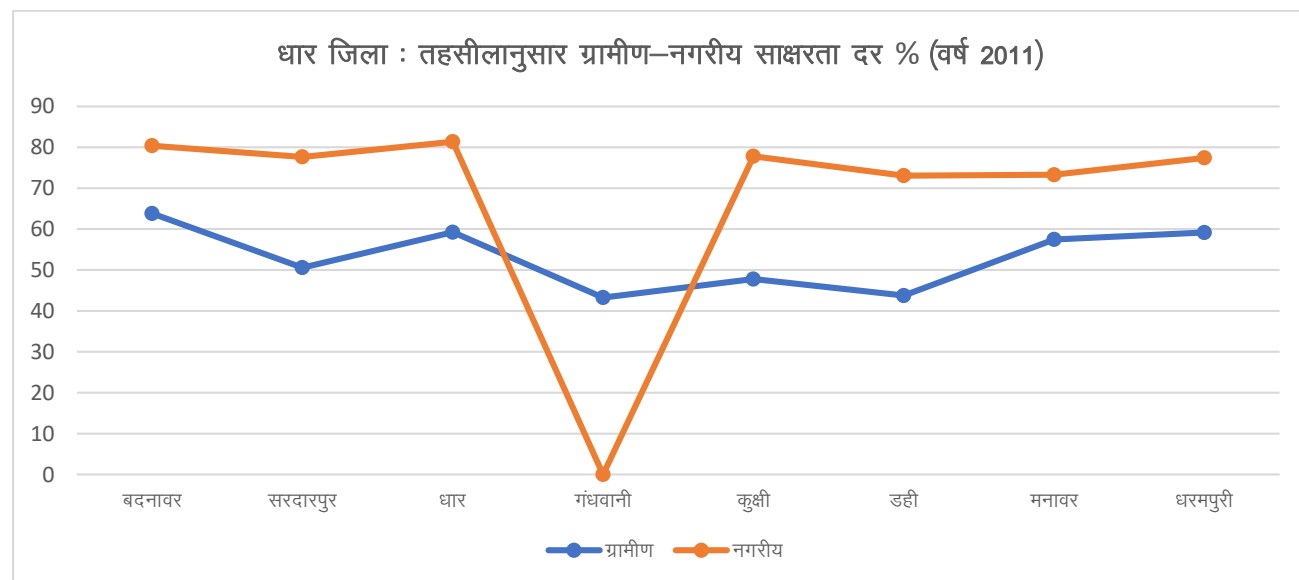
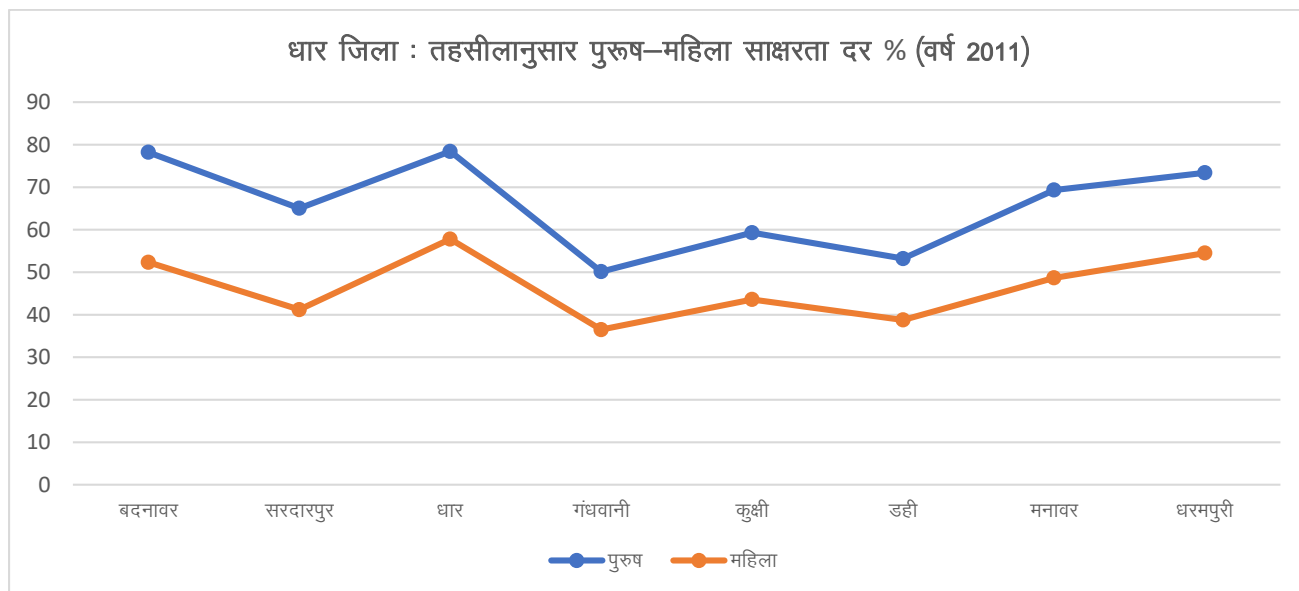
धार जिला : तहसीलानुसार साक्षरता दर (वर्ष 2011)

तहसील	कुल/ग्रामीण/ नगरीय	साक्षरताओं की संख्या			साक्षरता दर			पुरुष – महिला साक्षरता दर में अन्तर
		व्यक्ति	पुरुष	महिला	व्यक्ति	पुरुष	महिला	
बदनावर	कुल	125964	75930	50034	65.38	78.23	52.34	25.89
	ग्रामीण	111359	67692	43667	63.82	77.23	50.28	26.95
	नगरीय	14605	8238	6367	80.39	87.51	72.74	14.77
सरदारपुर	कुल	130196	80353	49843	53.25	65.05	41.20	23.85
	ग्रामीण	111497	70014	41483	50.58	62.05	38.04	24.83
	नगरीय	18699	10339	8360	77.66	84.97	70.20	14.77
धार	कुल	330761	197174	133587	68.55	78.43	57.81	20.62
	ग्रामीण	165505	100735	64770	59.24	70.95	47.13	23.82
	नगरीय	165256	96439	68817	81.36	88.13	73.46	14.67
गंधवानी	कुल	54350	31253	23097	43.27	50.15	36.50	13.65
	ग्रामीण	54350	31253	23097	43.27	50.15	36.50	13.65
	नगरीय	0	0	0	0	0	0	0
कुक्षी	कुल	136995	78726	58269	51.42	59.30	43.60	15.70

	ग्रामीण	111864	64963	46901	47.78	55.81	39.85	15.96
	नगरीय	25131	13763	11368	77.81	84.12	71.33	12.79
डही	कुल	43816	25437	18379	46.02	53.21	38.77	14.44
	ग्रामीण	38459	22486	15973	43.76	50.95	36.51	14.44
	नगरीय	5357	2951	2406	73.08	80.47	65.68	14.79
मनावर	कुल	155132	91533	63599	59.05	69.33	48.67	20.66
	ग्रामीण	135853	81009	54844	57.47	68.28	46.58	21.70
	नगरीय	19279	10524	8755	73.29	78.68	67.72	10.96
धरमपुरी	कुल	100124	58073	42051	64.08	73.40	54.51	18.89
	ग्रामीण	67586	39679	27907	59.17	69.05	49.16	19.89
	नगरीय	32538	18394	14144	77.42	84.93	69.44	15.49
धार जिला	कुल	1077338	638479	438859	59.00	68.95	48.77	20.18
	ग्रामीण	796473	477831	318642	54.09	64.57	43.50	21.07
	नगरीय	280865	160648	120217	79.49	86.33	71.88	14.45

स्रोत : जिला जनगणना पुस्तिका, वर्ष 2011

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि धार जिले में सर्वाधिक साक्षरता दर वाली तहसील धार (68.55%) है जहाँ पुरुष 78.43% महिलाएं 57.81%, ग्रामीण 59.24% एवं नगरीय 81.36% साक्षर है। वहीं सबसे न्यूनतम साक्षरता दर वाली तहसील गंधवानी (43.27%) है जहाँ पुरुष 50.15%, महिलाएं 36.50%, ग्रामीण 43.27% एवं नगरीय 0% साक्षर है। जिले में पुरुष-महिला साक्षरता दर में सर्वाधिक अन्तर बदनावर तहसील (25.89%) में एवं न्यूनतम अन्तर गंधवानी तहसील (13.65%) में है।



(6) साक्षरता को प्रभावित करने वाले कारक :- साक्षरता किसी समाज के विकास का महत्वपूर्ण कारक है। किसी क्षेत्र की साक्षरता दर केवल विद्यालयों की संख्या पर निर्भर नहीं होती बल्कि सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं भौगोलिक परिस्थितियाँ भी इसे प्रभावित करती हैं। साक्षरता को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारक निम्नलिखित हैं –

(अ) आर्थिक कारक :- गरीबी, निम्न आय एवं आय का स्तर साक्षरता को प्रभावित करता है। आय का स्तर जितना अधिक होगा, साक्षरता दर उतनी अधिक होगी।

(ब) सामाजिक कारक :- समाज की मानसिकता, रूढ़िवादी परम्पराएँ, जातीय एवं सामाजिक असमानताएँ, सामाजिक संरचना आदि शिक्षा के स्तर को प्रभावित करते हैं।

(स) सांस्कृतिक कारक :- संस्कृति एवं जीवनशैली का शिक्षा पर गहरा प्रभाव पड़ता है। जनजातीय क्षेत्रों में पारम्परिक जीवनशैली शिक्षा से दूरी पैदा करती है।

(द) भौगोलिक कारक :- दुर्गम पहाड़ी, वन क्षेत्र, परिवहन सुविधा का अभाव, प्राकृतिक आपदाएँ आदि भौगोलिक परिस्थितियाँ शिक्षा उपलब्धता को प्रभावित करती हैं। ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों में साक्षरता कम होने का यह प्रमुख कारण है।

(ए) लैंगिंग कारक :- पुरुष एवं महिला साक्षरता में अन्तर एक महत्वपूर्ण समस्या है। बाल विवाह, घरेलू कार्यों का बोझ, सुरक्षा संबंधी चिंताएँ, सामाजिक भेदभाव आदि महिलाओं में शिक्षा स्तर को कम करते हैं।

(फ) राजनीतिक एवं प्रशासनिक कारक :- सरकारी नीतियाँ, बजट आवंटन, शिक्षा योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन एवं प्रशासनिक व्यवस्था शिक्षा विकास को प्रभावित करती हैं।

(ग) जनसंख्या संबंधी कारक :- अधिक जनसंख्या दबाव, उच्च जन्मदर, प्रवास, जनसंख्या अन्तर आदि जनांकिकी कारक शिक्षा निरंतरता को बाधित करते हैं।

(ह) तकनीकी एवं सूचना कारक :- आधुनिक युग में तकनीकी एवं सूचना कारक साक्षरता के नये आधार बन गये हैं। इंटरनेट सुविधा, डिजिटल शिक्षा, आनलाईन शिक्षण प्लेटफॉर्म, स्मार्ट कक्षाएँ आदि तकनीकी संसाधनों से शिक्षा आकर्षक, सरल एवं सुलभ होती है किन्तु ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों में इनकी कमी पाई जाती है।

(ई) शैक्षिक अवसंरचना :- विद्यालयों की गुणवत्ता एवं शिक्षा के संसाधन साक्षरता स्तर को निर्धारित करते हैं। पर्याप्त विद्यालयों की कमी, प्रशिक्षित शिक्षकों का अभाव, शिक्षक – विद्यार्थी अनुपात में अन्तर, पुस्तकालय एवं प्रयोगशालाओं की कमी आदि शिक्षा विकास को प्रभावित करते हैं।

(7) सुधार हेतु सुझाव :- वर्तमान समय में शिक्षा के स्तर को बढ़ाना विशेष रूप से ग्रामीण, पिछड़े एवं जनजातीय क्षेत्रों के लिए अत्यंत आवश्यक है। सुधार हेतु निम्न उपाय किए जा सकते हैं –

(अ) शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए सबसे पहले विद्यालयों में भौतिक सुविधाएँ जैसे – विद्यालय भवन, शौचालय, पेयजल, बिजली, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, खेल मैदान, स्मार्ट क्लास आदि उपलब्ध करवाएँ जाए।

(ब) महिला शिक्षा समाज विकास का आधार है इस हेतु बालिकाओं को छात्रवृत्ति, निःशुल्क शिक्षा, सुरक्षा एवं स्वच्छता तथा बाल विवाह रोकने हेतु जागरूकता कार्यक्रम आदि संचालित किए जाए।

(स) जनजातीय एवं पिछड़े ग्रामीण क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाए। स्थानीय भाषा का प्रयोग, आवासीय विद्यालय, परिवहन सुविधा, समुदाय आधारित शिक्षा कार्यक्रम आदि प्रारम्भ किए जाए।

(द) अभिभावक एवं समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित की जाए जिससे शिक्षा प्रणाली मजबूत हो सके।

(ए) कौशल विकास एवं रोजगार उन्मुख शिक्षा को बढ़ावा दिया जाए। आईटी, कृषि, हस्तशिल्प एवं तकनीकी प्रशिक्षण के साथ-साथ उद्योगों के साथ समझौता किया जाए जिससे शिक्षा रोजगार से जुड़े सके।

(फ) प्रभावी सरकारी नीतियों एवं प्रशासन द्वारा जमीनी स्तर पर कार्य करके शिक्षा का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा सकता है। शिक्षा बजट में वृद्धि योजनाओं का उचित क्रियान्वयन, नियमित निरीक्षण आदि शिक्षा स्तर को बढ़ाते हैं।

(ग) आर्थिक सहायता जैसे निःशुल्क पुस्तकें एवं युनिफार्म, मध्याह्न भोजन, छात्रवृत्ति, शिक्षा हेतु ऋण सुविधा आदि द्वारा भी साक्षरता के स्तर में वृद्धि की जा सकती है।

इसके अतिरिक्त आय के स्रोतों में वृद्धि, सामाजिक एवं सांस्कृतिक भेदभाव को खत्म करके, गाँवों में भी नगरी जैसी सुविधाएं विकसित करके, सड़क एवं बिजली सुविधाएं प्रदान करके तथा पुरुष-महिला अंतर को समाप्त करके भी शिक्षा स्तर को बढ़ाया जा सकता है। शिक्षा के स्तर को बढ़ाना बहुआयामी प्रक्रिया है जिसमें सरकार, समाज, शिक्षक, अभिभावक एवं विद्यार्थी सभी की संयुक्त भूमिका आवश्यक है। धार जिले में साक्षरता स्तर निरंतर सुधार की दिशा में अग्रसर है परन्तु अभी भी धार जिला राज्य एवं राष्ट्रीय औसत से पीछे है। महिला शिक्षा, जनजातीय क्षेत्र विकास एवं ग्रामीण शैक्षिक अवसंरचना को सुदृढ़, एवं सरकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए तो धार जिला शिक्षा विकास का उत्कृष्ट उदाहरण बन सकता है।

सन्दर्भ ग्रंथ सूची :-

- धार जिला गजेटियर, वर्ष 1994 ।
- धार जिला जनगणना पुस्तिका वर्ष 1991, 2001, 2011 ।
- धार जिला सांख्यिकीय पुस्तिका ।
- खान, शकीला (2014) : शिक्षा के गिरते हुए स्तर का बच्चों के मानसिक, सामाजिक और शैक्षणिक विकास पर प्रभाव, JETIR, Vol- 2, Issue 6, June 2014, Pp. 53-62.
- मेहता, कौशल एवं शर्मा, संध्या (2025) : डिजिटल युग में किशोरो की शैक्षिक यात्रा : अलवर जिले में इंटरनेट उपयोग और एन ई पी 2020 का अध्ययन, IJFMR, Vol. 7, Issue 4, July & August 2025, Pp. 1-8.

- सक्सेना, अंचल (2021) : भारतीय शिक्षा पद्धति : आदि से वर्तमान तक, IJEMMASSS, Vol - 3, No- 04(I), Oct.- Dec., 2021, Pp. 125-133.
- शर्मा, बनवारी लाल (2014) : शिक्षण का गिरता स्तर : कारण एवं निवारण, IJOCT, Vol - 2, Issue 11, Nov- 2014, Pp. 1-3.
- शिखा, दीप एवं सिंह, सुरेंद्र पाल (2023) : भारत में डिजिटल शिक्षा : एक साहित्यिक समीक्षा, IRJHIS, Vol. 4, Issue 8, August 2023, Pp. 46-55.

Copyright & License:

© Authors retain the copyright of this article. This work is published under the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY 4.0), permitting unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited.